वर्ष 2010-11 के दौरान कार्य-निष्पादन सम्बंधी झलकियां

- 600 मेगावाट संशोधित संस्थापपित क्षमता की तवांग-I तथा 800 मेगावाट संशोधित संस्थारपित क्षमता की तवांग-II की संशोधित डीपीआर सीईए को भेज दी है।
- राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 2667 गांवों का विद्युतीकरण किया गया तथा 7.48 लाख बीपीएल परिवारों को बिजली का कनेक्शवन प्रदान किया गया।
- 2166.67 करोड़ रुपए का अब तक का सबसे अधिक कर पश्चाोत शुद्ध लाभ अर्जित किया, जोकि वर्ष 2009-10 के दौरान अर्जित 2090.50 करोड़ रुपए के कर पश्चारत शुद्ध लाभ से 3.64 % अधिक है ।
- पिछले वर्ष के 4153.21 करोड़ रुपए की तुलना में 4046.59 करोड़ रुपए का बिक्री टर्न-ओवर दर्ज किया । पिछले वर्ष की बिक्री आंकड़े में 844.14 करोड़ रुपए की बकाया राशि शामिल थी ।
- पिछले वर्ष की 97% बिक्री वसूली की तुलना में इस वर्ष 100% बिक्री वसूली की गई ।
- "उत्कृिष्टे" एमओयू रेटिंग हेतु 18000 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में वर्ष के दौरान 18604 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का उत्पादन किया ।
- "उत्कृष्ट" रेटिंग हेतु 79.9% के एमओयू लक्ष्य की तुलना में संचालित पावर स्टेशनों हेतु 85.2% संयंत्र उपलब्धता कारक (पीएएफ) प्राप्त किया ।
- जम्मू व कश्मी्र राज्य में 120 मेगावाट के सेवा-II पावर स्टेशन को संचालित किया गया । इस पावर स्टेशन को माननीय केन्द्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे ने राष्ट्र को समर्पित किया ।
- जम्मूी व कश्मीरर राज्यप की चिनाब नदी घाटी में लगभग 2100 मेगावाट कुल संस्थावपित क्षमता की पकलदुल और अन्यू जलविद्युत परियोजनाओं के निष्पायदन हेतु संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन हेतु जेकेएसपीडीसी और पीटीसी के साथ प्रोमोटर एग्रीमेंट पर हस्ता क्षर किए।
- मणिपुर में 1500 मेगावाट की तिपाईमुख जलविद्युत (बहुउद्देशीय) परियोजना के क्रियान्वयन हेतु एक संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन हेतु एसजेवीएन लिमिटेड और मणिपुर सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । एनएचपीसी, एसजेवीएनएल तथा मणिपुर सरकार की भागीदारी क्रमश: 69%, 26% तथा 5% होगी।
- भूटान में 720 मेगावाट की मांगदेछू जलविद्युत परियोजना के निर्माण हेतु इंजीनियरिंग तथा डिजाइन परामर्शी सेवाएं मुहैया करवाने के लिए मांगदेछू जलविद्युत प्राधिकरण, भूटान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए ।
- सिक्किम में 520 मेगावाट की तीस्ताा-IV जलविद्युत परियोजना के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की सहमति प्राप्ती की।
- जम्मू व कश्मीसर में 1000 मेगावाट की पकलदुल परियोजना के लिए वन्यो जीवन की मंजूरी प्राप्त हो गई है।
- 66 मेगावाट की लोकतक डाऊनस्ट्रीगम जलविद्युत परियोजना के लिए पर्यावरण व वन मंत्रालय से सैद्धान्तिक रूप से वन मंजूरी प्राप्त हो गई है।

- जम्मून व कश्मीपर में सलाल पावर स्टेिशन के निकट बिड्डा में 8-10 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा विकसित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की।
- विडियो कांफ्रेंसिंग, निर्माणाधीन परियोजनाओं में कार्य-योजना अवस्थितियों पर स्थासपित कैमरों की मदद से लाइव विडियो फीड प्राप्तम करने के लिए निगम मुख्यानलय में ऑनलाइन परियोजना मॉनिटरिंग सेंटर का सृजन किया गया।
- उच्चा प्रबंधन द्वारा महत्वापूर्ण घटनाओं/उदघोषणाओ/विवरण देने हेतु संगठन की सभी अवस्थितियों की लाइव ब्राडकॉस्टिंग के लिए ऑनलाइन वेब कास्टिंग की सुविधाएं स्थापित की गईं।
- पावर स्टेशनों के प्रचालन तथा अनुरक्षण से संबंधित 98.5% कर्मचारियों को वर्ष 2010-11 के दौरान प्रशिक्षित किया गया, जबकि समझौता ज्ञापन में लक्ष्य 85% था ।
- अफ्रीकी देशों से आए प्रतिभागियों के लिए हाइड्रो पावर स्टौशनों के प्रचालन एवं अनुरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मार्च 2011

- डॉ॰ पवन कुमार चामलिंग, माननीय मुख्य मंत्री, सिक्किम के साथ अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, श्री डी. पी. भार्गव, निदेशक (तकनीकी) और श्री आर. एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) को साथ लेकर नई दिल्ली में 08 मार्च 2011 को मुलाकात की | इस दौरान उन्हें इस राज्य में एनएचपीसी की निर्माणाधीन परियोजनाओं व संचालित पावर सटेशनों की प्रगति से अवगत कराया गया |
- पदम विभूषण सम्मानित श्री अज़ीम प्रेमजी, चेयरमैन, विप्रो लिमिटेड ने 31 मार्च 2011 को अपने निगम मुख्यालय के दौरे के दौरान मानव-हितैषी गतिविधियों पर एक बहुत ही प्रेरणाप्रद, रुचिकर और अपनी सोच बदलाव करने वाला भाषण दिया | साथ ही उन्होंने बताया कि किस प्रकार प्रोद्यौगिकी को समाज के विकास के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है | इस दौरान उन्होंने एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया |
- डॉ॰ रीफात अब्देल-मालेक, अध्यक्ष, इंटरनैशनल हाइड्रोपावर एसोसिएशन ने 21 मार्च 2011 को विश्व की पानी और बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति में जलविद्युत के योगदान संबंधी आपसी हित के विषयो पर विचार-विमर्श करने के लिए एनएचपीसी प्रबंधन से मुलाकात की |
- श्री आर. श्रीनिवासन, आईएएस (सेवानिवृत्त) और डॉ॰ तापस सेन, सीनियर फेलो, एनआईपीएफपी ने योजना आयोग की ओर से जम्मू व कश्मीर में प्रधानमंत्री पुनर्निमाण कार्यक्रम को मॉनीटर करने हेतु 16 मार्च 2011 को निगम मुख्यालय का दौरा किया |
- श्री सुनील वर्मा, उप-नियंत्रक व महालेखापरीक्षक, भारत सरकार ने जम्मू व कश्मीर में अपनी यात्रा के दौरान उड़ी पावर स्टेशन और उड़ी-II परियोजना का दौरा किया |

- एनएचपीसी और मांगदेछू जलविद्युत परियोजना प्राधिकरण (एमएचपीए), भूटान के बीच 09 मार्च 2011 को थिम्पु, भूटान में मांगदेछू जलविद्युत परियोजना के लिए अभियांत्रिकी व डिजाइन संबंधी परामर्शी सेवाएं देने के लिए हस्ताक्षर किए गए |
- वर्ष : 2010-11 के दौरान एनएचपीसी के पावर स्टेशनों से 18000 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 18600 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन होने की संभावना है
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी को सीआईडीसी द्वारा आयोजित किए जा रहे आगामी कंस्ट्रक्ट एशिया सम्मेलन की हाइड्रोपावर स्टीयरिंग कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है
- एनएचपीसी को 'सामाजिक उत्तरदायित्व' श्रेणी के अंतर्गत सीआईडीसी विश्वकर्मा अवार्ड 2011 से सम्मानित किया गया है |
- पावर एच.आर. फोरम द्वारा आयोजित "उत्कृष्टता की खोज" विषय पर एनएचपीसी टीम को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है |
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, को स्कोप के एग्ज़ीक्युटिव बोर्ड में सदस्य के तौर पर 2011-13 अवधि के लिए चुना गया है | केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र् के उपक्रमों में कार्य करने के लंबे अनुभव और स्कोप द्वारा उपलब्ध प्लेटफार्म के माध्यम से सामूहिक भागीदारी करने पर निश्चय ही केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र् के उपक्रमों के कार्य-नि पादन में वृद्धि करने में मदद मिलेगी |
- माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे ने सचिव (विद्युत) श्री पी. उमा शंकर और विद्युत मंत्रालय मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 01.03.2011 को सुबानसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना, गेरुकामुख का दौरा कर परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायज़ा लिया | माननीय मंत्री महोदय ने एनएचपीसी प्रबंधन और परियोजना कर्मचारियों की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक इस परियोजना के निर्माण में दिए जा रहे उनके बहुमूल्य योगदान की प्रशंसा की |
- वित्तीय वर्ष: 2011-12 के लिए निम्मो बाजगो, चुटक, चमेरा-III, पार्बती-III, उड़ी-II नामक 5 परियोजनाओं से 1080 मेगावाट की क्षमता अभिवृद्धि करने और तीस्ता लो डैम परियोजना-III की एक यूनिट को संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है |
- एनएचपीसी और विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के बीच वर्ष 2011-12 के लिए समझौता-ज्ञापन पर 25.03.11 को हस्ताक्षर हो गए हैं| कंपनी के लिए गत वित्तीय वर्ष:2010-11 के 18000 मि.यू. बिजली उत्पादन और 3649.40 करोड़ रुपये के सकल बिक्री कारोबार की तुलना में, वित्तीय वर्ष:2011-12 के लिए 18500 मि.यू. का बिजली उत्पादन और 3931.89 करोड़ रुपये का सकल बिक्री कारोबार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है|

फरवरी 2011

- एनएचपीसी के विद्युत स्टेशनों ने माह फरवरी,2011 के दौरान 728 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन के लक्ष्य के मुकाबले 770 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया । माह फरवरी,2011 के अंत में, अब तक का कुल बिजली उत्पादन 16779 मिलियन यूनिट के मुकाबले 17302 मिलियन यूनिट बिजल उत्पादन हुआ है ।
- अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने 05.02.2011 को पार्बती-III परियोजना का दौरा कर इस परियोजना के विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की । सम्वक परियोजना अधिकारियों को परामर्श दिया गया कि वे महत्वपूर्ण मामलों पर अधिक ध्यान दें और यह ध्यान में रखकर कि परियोजना को 2011-12 में पूरा किया जाना है, जहां भी आवश्यक हो, योजना बनाकर आगे बढ़े ।
- भुन्तर, कुल्लु में "सांविधिक लेखा-परीक्षकों की बैठक " का उद्घाटन करने के अलावा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और सभी संवैधानिक लेखा-परीक्षकों से आग्रह किया कि वे भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के मांग के अनुरूंप तीन स्तरीय लेखा-परीक्षण को ध्यान में रखकर समय पर ऑडिट पूरा करने में अपना सहयोग दें ।
- एनएचपीसी को 21.02.2011 को नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय ढांचागत श्रेष्ठ अवार्ड समारोह में श्रेष्ठ सार्वजनिक उपक्रम बेतौर पर "आल्टरनेटिव एनर्जी रिसोर्सीज़ " अवार्ड से सम्मानित किया । श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी ने यह अवार्ड एनएचपीसी की ओर से अनेक गणमान्य हस्तीयों की उपस्थिति में श्री कमलनाथ, माननीय केंद्रीय शहरी विकास मंत्री के कर-कमलों से प्राप्त किया ।
- अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने श्री जे.के. शर्मा, निदेशक (परियोजनाएं) के साथ 22.02.2011 को शिमला में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल, माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश से मुलाकात करके उन्हें राज्य में एनएचपीसी द्वारा निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति और पावर स्टेशनों के निष्पादन के बारे में अवगत कराया ।
- माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे ने नई दिल्ली में 14.02.2011 को आयोजित एक भव्य समारोह में एनएचपीसी, एसजेवीएन, टीएचडीसी, नीपको और बीबीएमबी की जल विद्युत विकास पर गत 05 वर्षों (2006-2010) के दौरान अर्जित उपलब्धियों के बारे में पुस्तक का विमोचन किया ।

जनवरी 2011

- निदेशक मंडल की बैठक दिनांक 27.01.2011 को सम्पन्न हुई| इस बैठक में निदेशक मंडल ने 31.12.2010 को समाप्त तिमाही एवं नौ माह की अवधि के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों को स्वीकार किया| इन परिणामों के अनुसार शुद्ध बिक्री क्रमश: 709 करोड़ रुपये तथा 2969 करोड़ रुपये एवं शुद्ध लाभ क्रमश: 301 करोड़ रुपये और 1528 करोड़ रुपये रहा है|
- ऊर्जा संबंधी स्थाई संसदीय समिति ने दिनांक 29.01.2011 को पोर्ट ब्लेयर का अध्ययन दौरा किया| समिति ने विद्युत मंत्रालय तथा एनएचपीसी के अधिकारियों के साथ एक बैठक की| इस बैठक में भारत के समग्र जलविद्युत परिदृश्य

तथा जलविद्युत विकास में एनएचपीसी की भूमिका और क्षमता अभिवृद्धि योजनाओं पर एक विस्तृत प्रजेंटेशन दिया गया|

- समिति ने अं.व नि. द्वीप समूह में एनएचपीसी के योगदान की सराहना की तथा अत्याधिक चुनौतीपूर्ण एवं विशम परिस्थितियों में जल विद्युत परियोजनाओं के निश्पादन हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की| सहयोग के और अधिक स्रोतों को तलाशने के उदेश्य से दिनांक 28.01.2011 को, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, निदेशक(परि.) सहित लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) भोपिन्दर सिंह, महामहिम उप-राज्यपाल, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह तथा श्री शक्ति सिन्हा, मुख्य सचिव, अं.व नि. द्वीप समूह के साथ शिष्टाचार बैठक की है|
- एनएचपीसी को वित्त वर्ष 2009-10 के लिए एमओयू निश्पादन रेटिंग के अन्तर्गत बहुत अच्छा रेटिंग दी गयी है|
- ईआरपी को 01.01.2011 से ईएसएस, एचआर और पेरॉल मॉड्र्यूलस को 22 अन्य स्थानों पर लाइव बनाया गया है| इनमें से 06 स्थानों पर वित्त मॉड्र्यूल को भी प्रभावी बनाया गया है|
- भूटान के अग्रणी मीडिया हाउसों से शीर्ष मीडिया व्यक्तित्वों सहित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से वरिष्ठ अधिकारियों वाले मीडिया प्रतिनिधियों के एक दल ने 18.01.2011 को निगम मुख्यालय, फरीदाबाद का दौरा किया| प्रतिनिधियों को एक अत्यंत ही प्रभावी सत्र् में भूटान पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए जलविद्युत विकास के क्षेत्र् में अपनी गतिविधियों के बारे में एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संक्षिप्त रूप से अवगत कराया गया|
- अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी को वर्ष 2010 के लिए अद्वितीय कार्य निष्पादन एवं उपलब्धियों के लिए इंस्टीट्र्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्र्स ऑफ इण्डिया (आईसीएआई) द्वारा आईसीएआई 2010 विशेष एचीवर अवार्ड प्रदान किया गया है| यह अवार्ड 30.01.2011 को साइंस सिटी, कोलकाता में आयोजित आईसीएआई अवार्डस 2010 समारोह में मेरी ओर से कार्यपालक निदेशक (क्षेत्र्-III) द्वारा श्री अमरजीत चोपड़ा, अध्यक्ष, आईसीएआई से प्राप्त किया गया|
- श्री के.सी. वेणुगोपाल, माननीय विद्युत राज्य मंत्री के पद ग्रहण किया है| विद्युत क्षेत्र् को आपके विविध और प्रचुर अनुभव का बहुत अधिक लाभ मिलेगा|
- एनएचपीसी के विद्युत स्टेशन ने 589 मिलियन यूनिट का उत्पादन किया है (पिछले वर्ष जनवरी 2010 में 499 मिलियन यूनिट), इस प्रकार जनवरी 2011 के उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन लक्ष्य को पूरा कर लिया गया| वित्त वर्श 2010-11 के लिए जनवरी 2011 तक विद्युत स्टेशनों का समेकित उत्पादन 16050 मिलियन यूनिट के उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन लक्ष्य की तुलना में 16531 मिलियन यूनिट है (पिछले वर्ष जनवरी 2010 तक 15156 मिलियन यूनिट)|
- वर्तमान वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसम्बर 2010) की अवधि में एनएचपीसी ने समझौता ज्ञापन के उत्कृष्ट विद्युत उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया है| पावर स्टेशनों द्वारा तीसरी तिमाही अवधि में 3069 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया जो कि उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन लक्ष्य 2270 मिलियन यूनिट से

10.8 प्रतिशत अधिक है| वित्तीय वर्ष 2010-11 की पहली तीन तिमाही अवधि का समेकित विद्युत उत्पादन 15941 मिलियन यूनिट रहा है जबकि उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन लक्ष्य 15461 मिलियन यूनिट रखा गया था|

दिसम्बर 2010

- दिनांक 21.12.2010 को जम्मू व कश्मीर की चिनाब नदी घाटी पर लगभग 2100 मेगावाट की समेकित क्षमता वाली पकल दुल व अन्य जलविद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने के लिए एनएचपीसी, जेकेएसपीडीसी तथा पीटीसी के बीच प्रामोटर्स एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए| जम्मू व कश्मीर के माननीय मुख्य मंत्री श्री उमर अब्दुल्ला की गरिमामय उपस्थिति में एनएचपीसी तथा जेकेएसपीडीसी और पीटीसी के प्रतिनिधियों ने इस एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए|
- भारत एवं अन्य देशों में जल विद्युत परियोजनाओं पर परामर्श एवं प्रबंधन सेवाओं के क्षेत्र् में द्विपक्षीय सहयोग के लिए एनएचपीसी एवं रसहाइड्रो के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए विद्युत मंत्रलय का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है| रसहाइड्रो, सोवियत संघ सरकार की एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है जिनके पास 25000 मेगावाट से अधिक संस्थापित जल विद्युत क्षमता है|
- एनएचपीसी ने नई दिल्ली में 9 से 11 दिसंबर, 2010 तक फिक्की के सहयोग से विद्युत मंत्रलय, भारत सरकार द्वारा आयोजित की गई विद्युत क्षेत्र् पर 5वीं अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन इंडिया इलैक्ट्रिसिटी-2010 में भाग लिया| श्री पी. उमाशंकर, सचिव (विद्युत), भारत सरकार ने अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक एनएचपीसी एवं विद्युत क्षेत्र् की दूसरी कंपनियों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एनएचपीसी पैवेलियन का उद्घाटन किया|

नवम्बर 2010

- तवांग जल विद्युत परियोजना चरण-| (600 मेगावाट) अरूणाचल प्रदेश की जनसुनवाई 19.11.2010 को जंग, तवांग में सफलतापूर्वक संपन्न हुई|
- दिनांक 11.11.2010 को काउंसिल ऑफ पावर यूटिलिटीज सोशल एंड कम्युनिटी इम्पैक्ट द्वारा एनएचपीसी को इंडिया पावर अवार्ड - 2010 से सम्मानित किया गया| यह पुरस्कार एनएचपीसी